**Regarding provision to support the family members of those people who died untimely without any complaint of ailments**

**श्री रमाशंकर विद्यार्थी राजभर (सलेमपुर) :** सभापति महोदय, मैं बहुत भारी मन से एक विषय उठा रहा हूं जो पूरे देश का है और सभी सांसदों का है । नृत्यांगना मंच पर परफॉर्मेंस कर रही है, वहीं गिर कर मर गई, क्रिकेटर ने एक छक्का मारा और वहीं गिरा और मर गया । मामा भांजे की शादी में नाच रहा है, गिरा और मर गया । बच्ची स्कूल में पढ़ रही है, गिरी और मर गई । ड्राइवर गाड़ी चला रहा है, हार्ट अटैक हुआ, ब्रेन हैमरेज हुआ, मर गया । इसमें सभी आयु वर्ग के लोग हैं, बच्चे भी हैं, बूढ़े भी हैं, महिलाएं भी हैं, नौजवान भी हैं ।

हमारे संसदीय क्षेत्र के पांचों विधान सभाओं में कम से कम दर्जनों ऐसे लोग अचानक मरे । मैं सरकार से मांग करता हूं, चूंकि ये घटनाएं अचानक हो रही हैं, न ये हॉस्पिटल जा पाते हैं, न पोस्टमार्टम होता है, क्या हम उनके परिवार को भाग्य भरोसे छोड़ देंगे?मैं सरकार से मांग करता हूं, सरकार कोई ऐसा विकल्प तलाशे, ऐसा कोई रास्ता निकाले, अचानक किसी भी आयु वर्ग के लोग की मौतों के लिए कोई उपाय निकाले, जो मर गए हैं उनका रिकार्ड भारत सरकार रखे । उनके परिवारों को बचाने और पालने के लिए कम से कम दस-दस लाख रुपये मुआवजा भारत सरकार देने का काम करे ।

**15.00 hrs**